Sick Textile undertakings taken over by NTC

3493. SHRI BASUDEB MOHAPATRA; Will the Minister of TEXTILES be pleased to state;

(a) what is the number of sick textile undertakings taken over by the National Textile Corporation since the date of its incorporation;

(b) how many of such mills were modernised and expended;

(c) whether the performance of these mills has improved after their taking over by NTC; and

(d) if so, what are the production figures of different varieties of cloth by these mills for the last three years?

THE DEPUTY (MINISTER IN THE MINISTRY OF TEXTILES (SHRI S. KRISHNA KUMAR): (a) At present, there are 125 textile mills (109 nationalised aud 16 managed) under NTC.

(b) Modernisation is a continuous process, investments have been made by NTC on modernisation/renovation of 101 nationalised units so far.

(c) Yes, Sir. There has been some improvement in the technical parameters of the mills.

(d) Since NTC mills manufacture a large range of cloth, it is difficult to give production figures of different varieties. However, the total produc tion of cloth by NTC mills during the last 3 years was as follows;

Year	Total cloth. protucion (In Mi. Mrs.)
1934-85	920-5,
1935-86	994 7
1986-87	964 5 (pprox.)

मैसर्स कटिस फूड प्रिजर्वर्स, लारेंस रोड दिल्ली में ताला बन्दी

3494. **श्री सूरज प्रसाद** : क्या श्रम मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि मैसर्स कोटिस फूड प्रिजर्वर्स, ए–3, लारेन्स रोड, दिल्ली–35 के मालिकों ने 1 अगस्त, 1987 से अपनी फक्ट्री में तालाबंदी कर दी है जिसके परिणामस्वरूप लगभग 180 मजदूर बेरोजगार हो गये हैं तथा मालिकों द्वारा पुलिस की गांठ-गांठ से कर्मचारियों को परेशान किया जा रहा है और क्या कर्मचारी यूनियन ने इस सम्बन्ध में दिल्ली के श्रम आयुक्त को शिकायत पत्र भी भेजा है ;

(ख) क्या यह भी सच है कि इस फैक्ट्री में केवल 10 कर्मचारी नियमित हैं और शेष 121 कर्मचारियों को हर 15 दिन के पश्चात् दैनिक मजदूरी के आधार पर मजदूरी का भुगतान किया जा रहा है और पचास मजदूर फैक्ट्री में तीन श्रम ठेकेदारों के माध्यम से काम कर रहे हैं;

(ग) यदि हां, तो क्या सरकार मजदूरों के हितों को ध्यान में रखते हुये तालाबंदी को हटाने और इन मजदूरों को पुनः नियोजित कराने के लिये कोई कार्रवाही करेगी; और

(घ) इस फर्म द्वारा कर्मचारी राज्य-बीमा निगम तथा कर्मचारी भविष्य निधि में कितनी धनराशि जमा करायी गई है और उनकी ओर कितनी धनराशि बकाया है ?

श्रम मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री पी० ए० संगमा) : (क) दिल्ली प्रशासन से, जो समुचित सरकार है, प्राप्त सूचना के अनुसार, मैसर्स कोटिस फूड प्रिजर्वर्स, लारेंस रोड, दिल्ली के प्रबंधतन्त्र ने अपना कारखाना 1–8–1987 से बन्द कर दिया है । प्रबंधतन्त्र द्वारा इस बारे में 29-6–1987 को दिये गये नोटिस के अनुसार, काम बन्दी के समय कारखाने में 65 कर्मचारी नियोजित थे । नियोजक द्वारा पुलिस की सांठगांठ से कर्मचारियों को परेशान करने के